

CUJ PhD Scholar Mr. Prashant Kumar from Energy Engineering Dept. bags SERB overseas visiting doctoral fellowship and will carry out research at Purdue University, USA

It is indeed a proud moment for the Central University of Jharkhand, Prashant Kumar, a Ph.D. scholar working under the supervision of Dr. Basudev Pradhan in the Department of Energy Engineering, has been awarded the Science and Engineering Research Board (SERB) Overseas Visiting Doctoral Fellowship. He will be carrying out his research on perovskite solar cells at Davidson School of Chemical Engineering, Purdue University, USA for one year. The fellowship programme is the initiative of the India-US strategic partnership. Under the programme, he will be given a monthly fellowship of US \$2,000, a contingency grant and medical insurance including overseas travel allowance to the student, Indian supervisor and overseas advisor from the SERB.

Expressing his thoughts on this accomplishment, Prashant said, "I am delighted to receive this fellowship and have an opportunity to work in state-of-the-art research facilities at PU, thanks to CUJ, the NGPR Lab and my supervisor.

Congratulating the student and his guide, Dr. Pradhan told that this kind of fellowship will strengthen the international partnership between USA and India.



सीयूजे के शोधार्थी को अमेरिकन विवि से मिला फेलोशिप

रांची. सीयूजे के ऊर्जा अभियंत्रण विभाग के शोधार्थी प्रशांत कुमार को विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) की ओवरसीज विजिटिंग डॉक्टरल फेलोशिप से सम्मानित किया गया है. वह पेट्रोसाइट सोलर सेल पर अपना शोध संयुक्त राज्य अमेरिका के डेविडसन स्कूल ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग, पोट्यू विवि में एक वर्ष के लिए करेंगे. यह फेलोशिप कार्यक्रम भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की पहल है. इसमें उन्हें दो हजार डॉलर (भारतीय मूल्य लगभग 01.64 लाख रुपये) की मासिक फेलोशिप सहित विदेशी यात्रा भत्ता भी दिया जायेगा.

प्रभात खबर

Tue, 21 February 2023

<https://epaper.prabhatkhabar.co>



झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय के छात्र को अमेरिका में मिला फेलोशिप

स्वदेश संवाददाता

रांची: झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है की डॉ बासुदेव प्रधान की देखरेख में कार्यरत ऊर्जा अभियांत्रण विभाग के शोधार्थी प्रशांत कुमार को विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) की ओवरसीज विजिटिंग डॉक्टरल फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। इस फेलोशिप के तहत वे पेट्रोसाइट सोलर सेल पर अपना शोध संयुक्त राज्य अमेरिका के डेविडसन स्कूल ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग, पोट्यू यूनिवर्सिटी, में एक वर्ष के लिए करेंगे। यह फेलोशिप कार्यक्रम भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की पहल है। कार्यक्रम के तहत,



उन्हें यूएस डॉलर 2,000 की मासिक फेलोशिप मिलेगा। भारतीय पर्यवेक्षक और एसईआरबी के मेजबान पर्यवेक्षक को विदेशी यात्रा भत्ता भी दिया जाएगा। इस उपलब्धि पर प्रशांत ने कहा कि मैं इस फेलोशिप को पाकर बहुत खुश हूं, यूनिवर्सिटी में अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं में काम करने का अवसर मिला है और इसके लिए सीयूजे, एनजीपीआर लैब और पर्यवेक्षक डॉ बासुदेव प्रधान को धन्यवाद करता हूं।